# सत्य जो
# आप तक पहुंचना चाहिए।

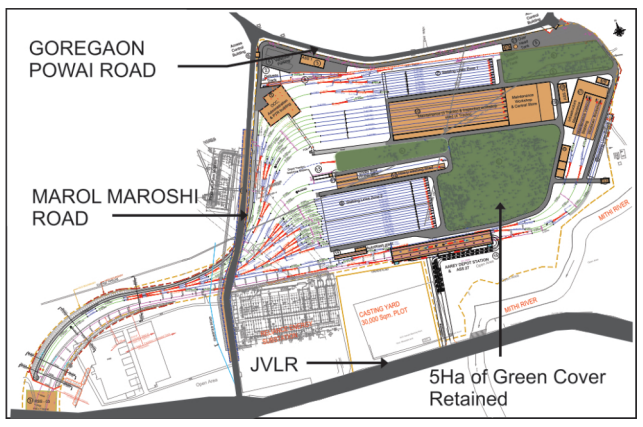


Metro-3 Car Depot Layout

| मिथक | तथ्य |
|---|---|
| आरे मिल्क कॉलोनी एक जंगल है | आरे दुग्ध वसाहत राज्य सरकार के दुग्ध विकास विभाग के भूमी पर स्थित है ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) (2015 के 34)और माननीय बॉम्बे हाई कोर्ट (2017 के 2766) ने इस दावे की जांच की और खारिज कर दिया। |
| मेट्रो-3 कार डिपो मुंबई के ग्रीन लंग्स को नष्ट कर रहा है | संजय गाँधी नेशनल पार्क (एसजीएनपी) के तहत 11,687 हेक्टर भूमि है, जबकि आरे मिल्क कॉलोनी के तहत 1,287 हेक्टर भूमि है, जिसमें से कार डिपो के लिए केवल 2.5% या 30 हेक्टर की आवश्यकता है। नामित 30 हेक्टरमें से, 83% भूमिपर पेड़ नहीं है।<br>2017-18 के गणना के अनुसार, मुंबई में पेड़ों की कुल संख्या 29.75 लाख है और आरे मिल्क कॉलोनी में पेड़ों की संख्या 4.8 लाख है। कार डिपो के कारण केवल 2646 पेड़ प्रभावित होंगे, जिनमें से 461 को प्रत्यारोपित किया जाएगा और 2185 को काट दिया जाएगा। छह गुना अधिक संख्या में पेड़ नए लगाए जाएंगे। |
| कार डिपो की भूमि पर वन्य जीवन है | ईआईए अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, कार डिपो स्थल में कोई वन्यजीव निवास नहीं करते।कार डिपो जेवीएलआर सहित 3 प्रमुख सड़कों से घिरा हुआ है, जहाँ से प्रति दिन 1 लाख से अधिक वाहनोंका आवागमन होता हैं। |
| डिपो की जमीन मिठी नदी बाढ़ प्रभाव क्षेत्र में है | कार डिपो साइट मीठी नदी के जलग्रहण क्षेत्र में है और पानी को SWD प्रणाली द्वारा चैनलाइज़ किया जाता है जों MCGM द्वारा स्वीकृत है। कारडिपोमें 75% भूमिजल विहीन होगी और जल शोषण के लिए उपलब्ध होगी। |
| मेट्रो-3 कार शेड के लिए कोई विकल्प नहीं खोजा गया | डीपीआर स्टेज पर; महालक्ष्मी रेसकोर्स, एमएमआरडीए ग्राउंड-बीकेसी, कलिना यूनिवर्सिटी और आरे मिल्क कॉलोनी का मूल्यांकन किया गया। और तकनीकी समिति स्टेज- 5 में, कुछ औरस्थानों जैसे - बैकबे रिक्लेमेशन, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, धारावी, सरिपुत नगर और कांजुरमार्ग के बारे में विचारविनिमय किया गया।सभी स्थानों की योग्यता के आधार पर जांच की गई, लेकिन अपर्याप्त भूमि क्षेत्र और तकनीकी उपयुक्तता, पर्यावरण, कानूनी / स्वामित्व बाधाओं और नियामक बाधाओं के आधार पर खारिज कर दिया गया। |
| कांजुरमार्ग के विकल्प को गंभीर प्रयास किए बिना अस्वीकार कर दिया गया | डीपीआर चरण में कांजुरमार्ग कभी विकल्प नहीं था। हालांकि, नागरिक ग्रुप के सुझाव को तकनीकी समिति ने स्वीकार कर लिया और राज्य सरकार को 3 महीने के भीतर जमीन उपलब्ध कराने की सिफारिश की।<br>बॉम्बे हाई कोर्ट में 1974से निजी पार्टियों और राज्य सरकार के बीच टाइटल विवाद प्रलंबित है, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट ने 1997 में स्टेटस आदेश जारी किए थे। हालांकि, राज्य सरकार के माध्यम से एमएमआरसी ने स्टे ख़ारिज कराने और कार डिपो के लिए जमीन जारी करने के गंभीर प्रयास किए। चूंकि मामला उचित समय में हल नहीं किया गया था, इसलिए राज्य सरकार ने एमएमआरसी को कार डिपो के लिए आरे मिल्क कॉलोनी साइट का चयन करने की अनुमति दी।<br>उक्त मामला अभी भी हल नहीं हुआ है।2015 में जो कांजूरमार्ग विकल्प माना गया था वह आज 2019 में उपलब्ध नहीं है क्योंकि परियोजना काफी हद तक आगे बढ़ गई है और चरण 1 को दिसंबर 2021 में चालू करने की योजना है। |
| आरे मिल्क कॉलोनी में कार डिपो बनाने का निर्णय अदालत की जांच के दायरे में नहीं आया है | आरे मिल्क कॉलोनी में कार डिपो बनाने का निर्णय अदालत की जांच के दायरे में नहीं आया है<br>माननीय न्यायालयों ने निम्नलिखित याचिकाओं की जांच की और दोनों पक्षों को सुनने के बाद उन्हें योग्यता पर खारिज कर दिया:<br>I)आरे "फॉरेस्ट' है: केस 2766/2017 और 2015 के एनजीटी 34 के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा खारिज।<br>II)भूमि उपयोग का एन.डी.जेड से कार डिपो में परिवर्तन अवैध है: 2766/2017 के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा खारिज कर दिया गया।<br>III)आरे मिल्क कॉलोनी से मेट्रो-3 कार डिपो को किसी भी वैकल्पिक साइटों पर स्थानांतरित करें: माननीय सुप्रीम कोर्टद्वारा अस्वीकृत। (Ref SLP (C) नंबर 31178/2018, I.A.No 33819/2019) |

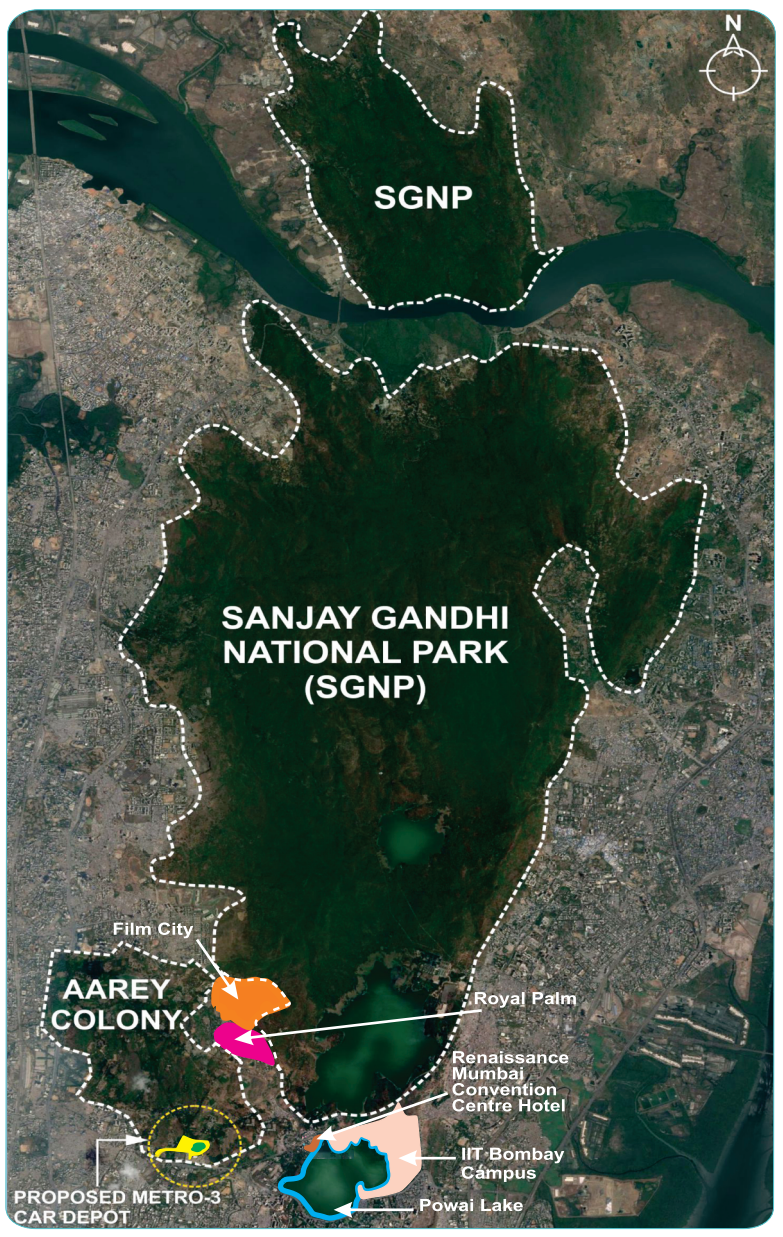


## कनेक्टिविटी में सुधार और आवागमन के समय को कम करना

मेट्रो लाइन-3, जो33.5 कि.मी. लम्बाई का भूमिगत कॉरिडोर है,प्रतिदिन 17 लाख यात्रियों केआवागमन की क्षमता रखती है। मेट्रो ट्रेन 3-4 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर चलते हुए एक बार में लगभग 2500 यात्रियों को ले जा पाएगी। इससे कफ परेड से सीप्झ तक के यात्रा समय में 60 मिनिटोंकी बचत होगी। नरीमन पॉइंट, कफ परेड, लोअर परेल, बीकेसी, सीप्झ और एमआईडीसी सहित 6 प्रमुख व्यावसायिक और रोजगार केंद्रों से कनेक्टिविटी बनाने के अलावा; मेट्रो-3, उपनगरीय रेल से न जुड़े स्थानों जैसे कालबादेवी, गिरगांव, वर्ली, अंतर्राष्ट्रीय और डोमेस्टिक हवाई अड्डों से कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। मेट्रो-3 को अन्य मेट्रो, मोनोरेल, उपनगरीय रेल और बस सेवाओं के साथ एकीकृत किया जायेगा।

## एम एम आर सी की वृक्षारोपण पहल

1) कुलमिलाकरलगाएगएपेड़ - 23,846
2) एस.जी.एन.पीमेंलगाएगएपेड़ - 20900
3) अन्यस्थानोंपरलगाएगएपेड़ - 2,946
   (6 "से 12" घेराऔर 12 'से 15' फीटऊंचाई)
   स्थानिक प्रजातियाँ - सीता अशोक, कदम्ब, अर्जुन, मोहगानी, बेहड़ा, करंज, कंचन
4) पुनर्स्थापितकियेगयेपेड - 3000
5) वितरितपौधे (आपसीपरियोजना) - 25,000

## पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव

इस परियोजना से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

- वाहनों की यात्रा में कमी **6.65 लाख/दिन**
- ईंधन की खपत में कमी **3.54 लाख लीटर/दिन**
- C02 उत्सर्जन में कमी **2.61लाख टन/वर्ष**

कार डिपो के कारण प्रभावित पेड़ों से C02 में होनेवाली 63,953 किग्रा/वर्ष की वृद्धि को 4 दिनों में 197 मेट्रो यात्राओं द्वारा रोका जा सकेगा तथा आजीवन C02 वृद्धि की भरपाई 80 दिनों में 3,948 मेट्रो यात्राओं द्वारा की जा सकेगी।

**मेट्रो-3 का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। 61% टनलिंग का काम पूरा हो चुका है। 40% स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। 10 सिस्टम के कॉन्ट्रैक्ट अवार्ड कर दिए गए हैं। परियोजना में अब तक 11,198.33 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। आनेवाले समय में कार डिपो का मुंबई में दीर्घकालिक और पर्यावरण के लिए सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मेट्रो-3 की ट्रेनों की डिलीवरी नवंबर 2020 तक आने की उम्मीद है, लेकिन उन्हें रखने के लिए कोई स्थान नहीं है। इस परियोजना का समय पर पूरा होना मुंबईकरों के हित में है, क्योंकि देरी के कारण परियोजना की लागत में प्रति दिन 4.23 करोड़ रु. की वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, मुंबई मेट्रो परिचालनजारी रखने सेवाहनों द्वारा उत्सर्जित कार्बन डायऑक्साइड में औसत2.619 लाख टन/ वर्ष कमी लाई जा सकेगी।**

Ascend Adcom

# मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

**(भारत सरकार एवं महाराष्ट्र सरकार का संयुक्त उपक्रम )**

@MumbaiMetro3 | mumbai metro rail corporation | @mumbaimetro3 | @MumbaiMetro3 | Website:- www.mmrcl.com